हिंदी में लिंग, वचन और पुरुष विश्लेषक (क्रिया के विशेष संदर्भ में)

Gender, Number and Person analyzer (With special reference to Verb)

एम. फिल. हिंदी(भाषा प्रौद्योगिकी) उपाधि हेतु

लघु शोध-प्रबंध

सत्र : 2013-14

ज्ञान शांति मैत्री

शोध निर्देशक

डॉ.अनिल कुमार पाण्डेय

एसोसिएट प्रोफ़ेसर

(भाषा प्रौद्योगिकी विभाग)

शोधार्थी

अमित कुमार गुप्ता

एम.फिल.

हिंदी (भाषा प्रौद्योगिकी)

भाषा विद्यापीठ

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय,वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1996 क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित)

गांधी हिल्स, वर्धा-442005 (महाराष्ट्र) भारत

दूरभाष : 07152-251170, वेबसाइट: www.hindivishwa.org

विषय-सूची

हिंदी में लिंग, वचन और पुरुष विश्लेषक (क्रिया के विशेष सन्दर्भ में)

Gender, Number and Person Analyzer in Hindi (With Special Reference to Verb)

भूमिका.....1-2.

अध्याय -1

1.1 हिंदी में क्रिया : भूमिका एक परिचय .....3.

1– क्रिया : परिभाषा .....4-5.

2– क्रिया के प्रकार .....5-12.

3- क्रिया के रूप .....13-27.

अध्याय -2

2 – लिंग, वचन और पुरुष : एक सामान्य परिचय .....28-29.

2.1- हिंदी में लिंग वचन व्यवस्था .....29.

1- लिंग : परिभाषा .....30-32.

2- लिंग के प्रकार 32-33

3- हिंदी में लिंग का निर्धारण.....33-44.

2.2- हिंदी में वचन व्यवस्था .....44.

1- वचन : परिभाषा .....44-45.

2 - वचन के प्रकार .....45-48.

3- हिंदी में वचन का निर्धारण.....48-52

2.3 - हिंदी में पुरुष व्यवस्था .....52-53.

1 – पुरुष : परिभाषा.....53.

2- पुरुष के प्रकार ……53-55.

3- हिंदी में पुरुष का निर्धारण ……55-57

अध्याय 3

3.1 – डाटाबेस निर्माण ……58

1- डाटा बेस : परिभाषा ……..59.

2- DBMS प्रणाली ……..59-62.

3- डाटाबेस का निर्माण ……..62-77.

4 – प्रदत्त सूचना……78.

अध्याय -4

a. प्रणाली का विकास : परिचय……..79-81.

1- प्रणाली का विकास

2- कलन विधि ……..81-82.

3 - फ्लोचार्ट ……82-83.

4 –फार्म डिज़ाइन ……..84-85.

5 – कोडिंग ……86-88

निष्कर्ष ……89.

सन्दर्भ ग्रन्थ – सूची……90-91.

परिशिष्ट ……..92-94.

भूमिका

भाषा वह साधन है जिसके माध्यम से मनुष्य अपने विचारों को समाज में व्यक्त करता है। किसी भी भाषा की अपनी भाषिक संरचना होती है जो वाक्य रूप में व्यक्त की जाती है। यह भाषिक संरचना व्याकरणिक नियम पर आधारित होतीहै, भाषा वैज्ञानिक दृष्टिकोण से किसी भाषा में उसकी व्याकरणिक कोटियों की एक महत्वपूर्ण भूमिका होती है। भाषा में व्याकरणिक व्यवस्था के अंतर्गत रूप रचना एवं वाक्य रचना से संबंधित नियमों तथा इकाइयों का विश्लेषण एवं वर्गीकरण किया जता है। रूप रचना में किसी भी भाषा के वाक्य में प्रयुक्त रूपों का अध्ययन किया जाता है जबकि वाक्य संरचना के अंतर्गत वाक्य में प्रयुक्त व्याकरणिक कोटियों का विशेष अध्ययन किया जाता है। भाषा वैज्ञानिक दृष्टिकोण से किसी भी भाषा के वाक्य स्तर पर विशलेषण में उसकी व्याकरणिक कोटियों का अध्ययन करना आवश्यक होता है। क्रिया वाक्य की केन्द्रीय घटक होती है | वाक्य में क्रिया रूप से व्याकरणिक कोटि (लिंग,वचन और पुरुष के अलावा काल, पक्ष, वृत्ति आदि) की सूचना मिलती है।

भाषा विज्ञान में वैज्ञानिक दृष्टिकोण से किसी भी भाषा में पाई जाने वाली विभिन्न प्रकार की इकाइयों एवं उनकी संरचना का विश्लेषण करता है। भाषा विश्लेषण के आधार पर अनेक प्रकार के सिद्धांतों एवं प्रणालियों का विकास किया गया है। किसी भी प्रणाली के विकास में भाषा विज्ञान की अहम भूमिका है। किसी भी भाषा का भाषा वैज्ञानिक विश्लेषण से प्राप्त भाषिक ज्ञान को अनुप्रयोग के क्षेत्रों में व्यापक रूप से समावेश किया गया है।

सर्वप्रथम प्रणाली का विकास करने से पहले भाषा का रूप वैज्ञानिक विश्लेषण किया जाता है यह विश्लेषण वाक्य स्तर पर किया जाता है तथा उससे संबंधित सभी प्रकार के डाटा को एकत्रित किया जाता है जिससे कंप्यूटर आसानी से डाटा को समझ लें तथा आउटपुट के रूप में सूचना दे सके।

इस शोध कार्य में हिंदी में लिंग वचन पुरुष विशलेषक क्रिया के विशेष सन्दर्भ में प्रणाली का विकास किया गया है। यह विश्लेषक क्रिया के आधार पर व्याकरणिक कोटियों की सूचना देता है। इसमें क्रिया संबंधित डाटा को एकत्रित किया गया है तथा डाटाबेस का निर्माण किया गया है।

इस प्रणाली के विकास के लिए कुछ प्रकिया का प्रयोग किया जाता है जिसकी प्रणाली विकास में महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जैसे– डाटा निर्माण, कलन विधि, फ्लोचार्ट, फॉर्म डिज़ाइन तथा कोडिंग और इसके अलावा C# सी.शार्प प्रोग्रामिंग भाषा का प्रयोग

किया गया है । इस विश्लेषक का मुख्य कार्य वाक्य में प्रयुक्त क्रिया का विश्लेषण करके व्याकरणिक कोटियों (लिंग,वचन और पुरुष) की सूचना प्रदान करना है ।इस शोध कार्य में प्रणाली के विकास के लिए क्रिया का विश्लेषणात्मक अधययन किया है तथा उसी के आधार पर डाटा तैयार किया गया है ।

प्रस्तुत शोध कार्य को व्यवस्थित करने की दृष्टि से चार अध्यायों में विभाजित किया गया है जिससे इस शोध कार्य का अधिक सुचारू रूप से अध्ययन किया जा सके । इस प्रकार से प्रस्तुत शोध कार्य के विभिन्न अध्यायों का संक्षित्प परिचय दिया जा रहा है ।

प्रथम अध्याय में "क्रिया परिचय" का विवरण है, जिसमें 'क्रिया की परिभाषा' पर प्रकाश डाला गया है तथा इसके साथ 'क्रिया के प्रकार' और 'क्रिया के रूप' का अध्ययन किया गया है ।

द्वितीय अध्याय में हिंदी में लिंग,वचन और पुरुष का परिचय का विवरण दिया गया है तथा हिंदी में लिंग, वचन और पुरुष की व्यवस्था और निर्धारण की बात की गयी है ।तृतीय अध्याय में डाटाबेस का निर्माण तथा चतुर्थ अध्याय में प्रणाली का विकास का विवरण दिया गया है । तथा अंतत: निष्कर्ष का विवरण दिया गया है ।

अध्याय -1

हिंदी में क्रिया : भूमिका एक परिचय

1.1- क्रिया : परिचय

1- क्रिया : परिभाषा

2- क्रिया के प्रकार

3- क्रिया के रूप